RNI : MAHHIN/2003/10991

खबरें
आप तक

वर्ष - 24 अंक -08 मुंबई, सोमवार ०९ मार्च से १५ मार्च २०२६ पृष्ठ : 4 कीमत : 1 रुपये

बोरीवली-दहिसर में गुटखा माफियाओं द्वारा अवैध तस्करी

मुंबई: भारत में प्रतिबंधित गुटखा और पान मसाला की तस्करी एक बड़ा अवैध कारोबार बन गया है, जिसे संगठित माफिया नियंत्रित करते हैं। गुटखे पर पूर्ण प्रतिबंध के बावजूद बड़े पैमाने पर अवैध सप्लाई जारी है। बोरीवली - दहिसर में गुटखा माफिया, एहसान (अंबाबाड़ी), दिलीप प्रधान बंगाली, (केतकीपाड़ा),विकास चौधरी (नैंसी कॉलोनी), सब्बू (अंबाबाड़ी) आतिक (पर्वत नगर) गुड्डू सिंह (धारखड़ी), विशाल दुबे (रावलपाड़ा) फिरोज (कोकनी पाड़ा) सुरेंद्र अंबेकर (देवीपाड़ा) ठाकुर (अंबाबाड़ी), गौतम चौधरी काजल चौधरी (आनंद नगर) बाबू अजीम (शुक्रवाडी) अन्य द्वारा बड़े पैमाने पर टास्करी कर सरकारी राजस्व को भारी चूना लगाया जा रहा है।

परिवहन के माध्यम: तस्करी के लिए ट्रक, टेम्पो और निजी वाहनों का उपयोग किया जाता है। कई मामलों में पुलिस से बचने के लिए गाड़ियों या फल-सब्जी के वाहनों में छुपाकर माल ले जाया जाता है।

नकली मैन्युफैक्चरिंग: कई माफिया शहरों के बाहरी इलाकों में अवैध फैक्ट्रियां चलाते हैं, जहां घटिया सामग्री से गुटखा तैयार कर नामी ब्रांडों की पैकिंग में बेचा जाता है।

नकद लेनदेन और सिंडिकेट: यह पूरा व्यापार मुख्य रूप से नकद (कैश) में होता है। नए व्यापारियों को इस धंधे में आने से रोका जाता है और माफिया सिंडिकेट के खिलाफ जाने वालों पर हमला भी किया जाता है।

मकोका : महाराष्ट्र सरकार गुटखा माफियाओं पर नकेल कसने के लिए उन पर सख्त कानून मकोका लगाने पर विचार कर रही है।

प्रतिबंधित ब्रांड: एफएसएसएआई और विभिन्न राज्य सरकारों ने विमल, रजनीगंधा, शिखर और कमला पसंद जैसे 15 से अधिक प्रमुख ब्रांडों के निर्माण और बिक्री पर कई राज्यों में रोक लगा रखी है।

पर्यावरणविद डॉ. प्रशांत ने की फर्जी विकास कार्यों पर रोक की मांग

मुंबई : पर्यावरणविद डॉ. प्रशांत सिनकर ने मांग की है कि राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस खास मेहमानों के दौरे से पहले होने वाली टेम्पररी पेंटिंग, एक दिन के दिखावटी सफाई अभियान और थोड़े समय की मरम्मत को तुरंत बंद करें और इसके बजाय स्थाई पारदर्शी, और उच्च गुणवत्ता वाले विकास के कामों को प्राथमिकता दें। जब किसी खास मेहमान के किसी इलाके में दौरे की घोषणा होती है, तो कुछ ही दिनों में उस इलाके की कायापलट हो जाती है। सालों से अनदेखी की गई सड़कों की अचानक मरम्मत की

जाती है, दीवारों पर पेंट किया जाता है, चौराहों को सुंदर बनाया जाता है, टूटे फुटपाथों को ठीक किया जाता है और लाइटिंग को बेहतर बनाया जाता है। कुछ घंटों के दौरे के लिए पूरा प्रशासन युद्धस्तर पर काम करता हुआ दिखता है।

हालांकि, दौरा खत्म होने के कुछ ही दिनों में गड्ढे, टूटे फुटपाथ, गंदगी और अनदेखी की तस्वीर सामने आ जाती है।

इस पर डॉ. सिनकर ने कहा कि विकास पत्र कुछ घंटों के पर्यटन के लिए नहीं, बल्कि लोगों की रोजमर्रा की ज़िंदगी के लिए होना चाहिए। यह प्रशासन की बेसिक ज़िम्मेदारी है कि सड़कें, पानी की सप्लाई, सफाई सिस्टम और लाइटिंग जैसी सुविधाएँ पूरे साल अच्छी हालत में रहें। इसके साथ ही, एक दिन के शानदार सफाई ड्राइव चलाए जाते हैं।

कैमरों के सामने झाड़ू घुमाई जाती है और कुछ ही घंटों में इलाका चमकने लगता है; लेकिन अगले ही दिन कूड़े और गंदगी के ढेर वापस आ जाते हैं।

मुंबई : एयरपोर्ट पर यात्रियों से मिला 46 करोड़ का गांजा, हीरे और सोने के आभूषण भी जब्त

मुंबई : महाराष्ट्र के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क विभाग ने एक सप्ताह के अंदर बड़ी कार्रवाई की है. विभाग ने विभिन्न मामलों में 46 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ, विदेशी मुद्रा, हीरे, सोने के आभूषण और अन्य अवैध सामग्री जब्त की है, जिसकी जानकारी एक अधिकारी ने बुधवार को दी. उन्होंने बताया कि पिछले एक सप्ताह में हाइड्रोपोनिक भांग जैसे अन्य सामग्री, हीरे और सोने बरामद किए गए हैं.

अधिकारी ने बताया कि बैंकॉक से छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे

नौ यात्रियों से अलग-अलग मामलों में कुल 44.292 किलोग्राम संदिग्ध हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया गया, जिसका बाजार मूल्य 44.292 करोड़ रुपये है.

अधिकारियों ने बताया कि इन सभी यात्रियों के पास से मादक पदार्थ और मन प्रभावी पदार्थ मिलने से एनडीपीएस अधिनियम के तहत , इन्हें गिरफ्तार किया गया है. इसके अलावा 299 ग्राम मेथाक्वालोन (एनडीपीएस अधिनियम के तहत एक मन प्रभावी पदार्थ) भी जब्त किया गया, जिसका अनुमानित बाजार मूल्य 74.75 लाख रुपये है.

उन्होंने बताया कि पांच अलग-अलग मामलों में, सीमा शुल्क विभाग के कर्मियों ने 32.85 लाख रुपये मूल्य की भारतीय और विदेशी मुद्रा, 94.97 लाख रुपये मूल्य के हीरे और 160.790 ग्राम वजन के 21 कैरेट सोने के आभूषण (मूल्य 21.51 लाख रुपये) जब्त किए गए हैं. इसके अलावा रत्न भी बरामद किए गए हैं, जिनकी कीमत 15 लाख रुपये से अधिक है.

दहिसर-काशीगांव मेट्रो इसी हफ्ते से शुरू, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस करेंगे उद्घाटन...

मुंबई: दहिसर-मीरा भायंदर मेट्रो को लेकर मुंबईकरों के लिए अच्छी खबर आई है। दहिसर-मीरा भायंदर मेट्रो लाइन 9 में दहिसर से काशीगांव मेट्रो का पहला फेज इसी सप्ताह से शुरू हो जाएगा। बीजेपी विधायक नरेंद्र मेहता ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने खुद प्रशासन को इस बारे में एक कार्यक्रम करने का निर्देश दिया है। इससे मुंबई की ओर जाने वाले यात्रियों को बहुत फायदा होगा।

कितने फेज में चल रहा काम?

दरअसल मीरा भायंदर शहर को मुंबई से जोड़ने के लिए दहिसर-मीरा भायंदर मेट्रो लाइन 9 का काम मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी ने करीब सात साल पहले शुरू किया था। इस काम को दो फेज दहिसर से काशीगांव और काशीगांव से नेताजी सुभाष चंद्र बोस मैदान में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके पहले फेज का काम लगभग पूरा हो चुका है और पिछले कुछ महीनों से मेट्रो का ट्रायल चल रहा है।

कब चलेगी मेट्रो?

इस बीच जब यह ट्रायल चल रहा था तो मेट्रो रेल सुरक्षा आयोग

की एक टीम ने 1 से 3 जनवरी तक प्रोजेक्ट का इंस्पेक्शन किया। इस इंस्पेक्शन के दौरान एमएमआरडीए को कुछ छोटे-मोटे सुधार के सुझाव दिए गए थे। उन सुझावों को लागू करने का काम पिछले कुछ दिनों से चल रहा है। इस वजह से लोगों में यह उत्सुकता थी कि यह मेट्रो असल में कब चलेगी।

बीजेपी विधायक का क्या दावा?

इस बीच बीजेपी विधायक नरेंद्र मेहता ने म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की ओर से आयोजित सिल्वर जुबली उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान बताया कि मीरा भयंदर में अलग-अलग कामों के मौके पर वे शुक्रवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मिले थे। मेहता ने साफ किया कि इस मुलाकात के दौरान उन्होंने बताया था कि मुख्यमंत्री खुद मेट्रो के उद्घाटन कार्यक्रम में आएंगे। इसलिए मेहता ने एक पब्लिक स्पीच में दावा किया है कि दहिसर और काशीगांव के बीच मेट्रो इसी हफ्ते से यात्रियों के लिए शुरू कर दी जाएगी।

लोगों को मिलेगी राहत

मीरा भयंदर इलाके से मुंबई जाने वाले यात्रियों को इस समय ट्रेनों में भारी भीड़ और सड़कों पर ट्रैफिक जाम की वजह से भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर, दहिसर टोल प्लाजा पर हर दिन बड़ा जाम लगता है। मेट्रो शुरू होने के बाद काशीगांव, पांडुरंगवाड़ी, मीरा गांव आदि स्टेशनों से सीधे अंधेरी पहुंचा जा सकेगा। इससे लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

संपादकीय

मजहबी कट्टरता

कट्टरता और विशेष रूप से मजहबी कट्टरता और कुरीतियों के खिलाफ लड़ना कभी भी आसान नहीं रहा। कट्टरता के खिलाफ लड़ाई लड़ने वालों को कई बार जान से भी हाथ धोना पड़ा है। दिल्ली से सटे गाजियाबाद में रहने वाले सलीम अहमद इन दिनों जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं, क्योंकि पिछले दिनों उन पर प्राणघातक हमला हुआ। यह हमला इसलिए हुआ, क्योंकि सलीम मजहबी कट्टरता के खिलाफ खुलकर बोलते हैं और इस्लाम की उन मान्यताओं की आलोचना करते हैं, जो उनकी समझ से न तो आज के युग के अनुकूल हैं, न सभ्य समाज के लिए स्वीकार्य हैं और न ही सह-अस्तित्व में सहायक हैं। इस्लाम का परित्याग करने के कारण सलीम अपने को एक्स मुस्लिम कहते हैं। वे नास्तिक सम्मेलनों का आयोजन करते रहे हैं और खुद को नास्तिक की तर्ज पर वास्तिक कहते हैं। वे अपना यूट्यूब चैनल चलाते हैं, जिसमें मजहबी कट्टरता और कुरीतियों से मुक्ति के उपायों पर चर्चा करते हैं। वे ऐसे एकलौते शख्स नहीं। दुनिया में खुद को एक्स मुस्लिम कहने वालों की कमी नहीं।

इस्लामी देशों में भी एक्स मुस्लिम तेजी से बढ़ रहे हैं। यूरोप और अमेरिका में तो उनके संगठन बने हुए हैं और वे अपनी गतिविधियों को एक्स मुस्लिम मूवमेंट की संज्ञा देते हैं। यह आंदोलन भारत में भी दस्तक दे चुका है और केरल के एक्स मुस्लिमों यानी इस्लाम छोड़ चुके लोगों ने अपना संगठन बना रखा है। यह यही बताता है कि भारत में एक्स मुस्लिम मूवमेंट जोर पकड़ रहा है। भारत के साथ-साथ पाकिस्तान और बांग्लादेश के भी कई एक्स मुस्लिम विदेश में सक्रिय हैं। इस्लामी देशों में सबसे अधिक एक्स मुस्लिम संभवतः ईरान में हैं। इसका कारण वहां हद से ज्यादा इस्लामी कट्टरता होना है।

किसी भी समाज में जब मजहबी-पंथिक कट्टरता हद से अधिक बढ़ जाती है तो उससे आजिज आए लोग उसके खिलाफ आवाज उठाने लगते हैं। ऐसे कई लोग या तो नास्तिक बन जाते हैं या फिर एग्नास्टिक (अज्ञेयवादी) यानी ऐसे, जो इसे लेकर सुनिश्चित नहीं होते कि ईश्वर, अल्ला, गाड आदि है या नहीं? एक समय भारत में इक्का-दुक्का घोषित एक्स मुस्लिम थे, लेकिन आज उनकी गिनती करना कठिन है। इनमें से कई अपने यूट्यूब चैनल चलाते हैं और कभी-कभार सार्वजनिक कार्यक्रमों में भी भागीदारी करते हैं।

पहले वे अपनी पहचान और चेहरा छिपाकर रखते थे, लेकिन आज कई ऐसे हैं, जो इसकी आवश्यकता नहीं समझते। सलीम वास्तिक भी ऐसे लोगों में हैं। निःसंदेह अपनी पहचान उजागर कर मजहबी कट्टरता के खिलाफ बोलने वाले एक्स मुस्लिम कम ही हैं, क्योंकि उनकी सुरक्षा के लिए खतरा बना रहता है। उन्हें जान से मारने और सीधे तौर पर कहें तो सिर तन से जुदा करने की धमकियां मिलती रहती हैं। सलीम वास्तिक को भी ऐसी ही धमकियां मिल रही थीं, लेकिन वे धमकियों से डरने वाले लोगों में से नहीं थे। पहलगाम में मजहब पूछकर लोगों की हत्या के बाद सलीम अपने कुछ साथियों के साथ कश्मीर पहुंच गए थे। वहां वे मजहबी कट्टरता के खिलाफ अपनी बात तब तक बेबाकी से कहते रहे, जब तक कुछ कट्टरपंथियों की शिकायत पर पुलिस ने उन्हें शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार नहीं कर लिया। पुलिस ने उनका और उनके साथियों के यूट्यूब चैनल डिलीट कर दिए, लेकिन वहां से लौटने के बाद वे नए यूट्यूब चैनल के साथ फिर से अपने मिशन में लग गए। उन्हें फिर से धमकियां मिलने लगीं और पिछले शुक्रवार जीशान और गुलफाम नाम के दो भाइयों ने उनके घर जाकर धारदार हथियारों से उनका गला रेतने की कोशिश की।

संपादकीय कार्यालयः
आर. जे. पब्लिकेशन के लिए मुद्रक, प्रकाशक, मालिक राजू ज. पंडित द्वारा हनुमान कंपाउंड, एस.एन. दुबे रोड, रावल पाडा, दहिसर (पूर्व), मुंबई-400068 से प्रकाशित व भारत लिथो एवं ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस : 48, गुलशन महल कंपाउ्ंड, फारस रोड, मुंबई - 400008 से मुद्रित। संपादक : राजू ज. पंडित
संपर्क कार्यालय : संपर्क कार्यालय : एकता नगर हा. सो.लि. एसएन दुबे रोड रावल पाड़ा दहिसर (पूर्व) मुंबई 400068

संपर्क कार्यालय : एकता नगर हा. सो. लि., एस एन दुबे रोड रावलपाड़ा दहिसर पूर्व मुंबई ४०००६८
Mob No. : 9967776303
RNI : MAHHIN/2003/10991

एक्स NIA चीफ सदानंद दाते के हस्ताक्षर वाला नोटिस दिखाकर सवा 2 करोड़ की ठगी, पुलिस ने एक को दबोचा...

मुंबईः साइबर ठगों के लिए कमीशन लेकर बैंक खाता मुहैया कराने वाले एक आरोपी को साइबर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान किशन मकवाना (35) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार मकवाना साइबर ठगों के संपर्क में था और उन्होंने पीड़ित बुजुर्ग के बैंक खाते का इस्तेमाल ठगी के लिए किया। 77 साल पीड़ित गोरेगांव में रहते हैं। नवंबर 2025 में उन्हें दो कथित पुलिस अधिकारियों का फोन आया, जिन्होंने कहा कि उनके आधार कार्ड से जम्मू-कश्मीर की एक नामचीन बैंक में खाता खुला है। खाते में जम्मू कश्मीर पुलिस के रेडार पर रहे आतंकवादियों के

नाम से पैसे जमा पाए गए हैं। अगर वे इन मामलों से बचना चाहते हैं तो 70 लाख रुपये कमीशन के तौर पर उनको भेजना होगा और यदि वे जांच में सहयोग नहीं करेंगे तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

व्हाट्सएप पर नकली वारंट दिया

एफआईआर के अनुसार बुजुर्ग को विश्वास में लेने के लिए आरोपियों ने उनको उनके वाट्सएप पर नकली वारंट और पूर्व एनआईए प्रमुख सदानंद दाते के हस्ताक्षर वाली नोटिस भेज दी। इसके बाद 18 नवंबर से 3 दिसंबर तक केस से कथित तौर पर बचाने के लिए नाम पर आरोपियों ने बुजुर्ग को डरा-धमका कर उनसे सवा दो करोड़ रुपये अपने बैंक खातों में ट्रांसफर करवा लिए। पैसे ट्रांसफर होते ही अचानक आरोपियों के कॉल आने बंद हो गए। बाद में जब पीड़ित को लगा कि वे तो साइबर ठगी का शिकार बन गए थे। उन्होंने इसकी शिकायत साइबर सेल में कर दी।

साइबर सेल ने मकवाना को किया अरेस्ट

महाराष्ट्र पुलिस साइबर सेल ने तकनीकी जांच के आधार पर किशन मकवाना को हिरासत में लिया। जांच में पाया कि वह साबइर ठगों को कमीशन पर बैंक खाता मुहैया कराता था। बुजुर्ग से हुई ठगी की रकम भी मकवाना द्वारा साइबर ठगों को उपलब्ध कराए गए एक बैंक खाते में जमा हुआ मिला। हालांकि, पुलिस अब मकवाना के जरिए असली साइबर ठग गिरोह तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

शिंदे सेना ने सीनियर्स के बजाय ज्योति वाघमारे को क्यों चुना

मुंबई : राज्यसभा चुनाव के लिए नॉमिनेशन फाइल करते समय डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे ने सबको चौंका दिया। जब पार्टी में अनुभवी, बड़े नेताओं के नामों पर चर्चा हो रही थी, तब डॉ. ज्योति वाघमारे को राज्यसभा कैंडिडेट के तौर पर अनाउंस किया गया। ज्योति वाघमारे, जो एक बहुत गरीब परिवार में पैदा हुई और सोलापुर की सड़कों पर नंगे पैर घूमती थीं, बहुत ही सिंपल बैकग्राउंड से आईं और अपनी बोलने की कला से कम समय में ही अपना नाम बनाया, उन्हें राज्यसभा का नॉमिनेशन मिला। डॉ. ज्योति वाघमारे ने अपना सफर सोलापुर से शुरू किया था। उनके पिता नागनाथ वाघमारे ने एक होटल में वेटर और कंस्ट्रक्शन वर्कर का काम करते हुए दलित पैंथर्स के जरिए सामाजिक संघर्ष को ज़िंदा रखा था।

इसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए ज्योति वाघमारे ने इंग्लिश लिटरेचर में PhD की। पांच भाषाओं में उनकी महारत और अंबेडकराइट मूवमेंट की गहरी स्टडी उनकी मुख्य पहचान है। मेरी प्यारी बहन को नॉमिनेट किया गया है। सही समय पर, सही सोच पर। एकनाथ शिंदे। हमने ज्योति वाघमारे को मेंटल और पॉलिटिकल ताकत दी है। एक आम शिव सैनिक जो एक छोटे से गांव से आती है। उसका कोई पॉलिटिकल बैकग्राउंड नहीं है। लेकिन, उसने मीटिंग कीं। वह शिवसेना में आई और कड़ी मेहनत की। इसलिए, इन सब पर विचार करने के बाद यह फैसला लिया गया। ज्योति वाघमारे को राज्यसभा का नॉमिनेशन दिया गया है। एकनाथ शिंदे उसे मेरी प्यारी बहन कहते हैं। मैंने अपनी प्यारी बहन को नॉमिनेशन दिया है। हमने इस चुनाव को बिना किसी विरोध के करने की कोशिश की। हम यह पक्का करेंगे कि इस चुनाव में कोई हॉर्स ट्रेडिंग न हो।

एकनाथ शिंदे सभी को एडजस्ट करते हैं। अगर कोई नाखुश है, तो एकनाथ शिंदे उनकी नाराजगी दूर करेंगे, उन्होंने कहा। संजय शिरसाट ने कहा है। इस बीच, पिछले ढाई साल में, चाहे वह टीवी डिबेट हो या दशहरा सभाओं में भाषण, डॉ. वाघमारे ने उद्धव ठाकरे ग्रुप और महा विकास अघाड़ी के नेताओं पर जोरदार हमला किया है। खासकर, आदित्य ठाकरे और संजय राउत पार्टी में ऐसे चेहरे के तौर पर जाने जाते हैं जो सुषमा अंधारे की आलोचना का करारा जवाब देते हैं। अब, सबका ध्यान इस बात पर है कि वह दिल्ली पार्लियामेंट में इस गुस्से को कैसे जाहिर करती हैं।

मुंबई : अमेरिका और ईरान के बीच जियोपॉलिटिकल तनाव कम होने से निवेशकों का भरोसा बढ़ा...

मुंबई : भारतीय शेयर बाजार तेजी से ऊपर बंद हुए, बेंचमार्क इंडेक्स ने एक महीने से ज्यादा समय में अपना सबसे अच्छा सेशन किया क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच जियोपॉलिटिकल तनाव कम होने से निवेशकों का भरोसा बढ़ा। निफ़्टी 1.17 परसेंट या 285.40 पॉइंट्स बढ़कर 24,765.90 पर बंद हुआ। इस बीच, सेंसेक्स 899.71 पॉइंट्स या 1.14 परसेंट बढ़कर 80,015.90 पर बंद हुआ। एक एनालिस्ट ने कहा, ''मार्केट अभी पूरी तरह से मुश्किल से बाहर नहीं निकला है, और मौजूदा मूव को सिर्फ. एक पुलबैक ही माना जाना चाहिए, जब तक कि निफ़्टी 25,200 के लेवल से नीचे ट्रेड करता है।''

एक मार्केट एक्सपर्ट ने कहा, ''नीचे की तरफ, तुरंत सपोर्ट 24,600 पर है, और इस लेवल से नीचे जाने पर इंडेक्स और 24,400 की ओर जा सकता है।'' ऐसी रिपोर्ट्स के बाद मार्केट सेंटिमेंट बेहतर हुआ कि अगर अमेरिका कोई संतोषजनक दूसरा प्रपोजल पेश करता है तो ईरान अपना न्यूक्लियर प्रोग्राम छोड़ने को तैयार हो सकता है। इस डेवलपमेंट से इलाके में टेंशन कम होने की उम्मीद बढ़ी, जिससे ग्लोबल रिस्क लेने की क्षमता बढ़ी। निफ्टी में सबसे ज्यादा चढ़ने वालों में अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और लार्सन एंड टूब्रो शामिल थे, जिनमें सेशन के दौरान जोरदार खरीदारी हुई।

बड़े मार्केट ने भी अच्छा परफॉर्म किया और बेंचमार्क इंडेक्स से आगे निकल गए। निफ्टी मिडकैप 100 1.52 परसेंट ऊपर बंद हुआ, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 1.58 परसेंट बढ़ा। सेक्टर के हिसाब से, मेटल स्टॉक्स ने रैली को लीड किया, जिसमें निफ्टी मेटल इंडेक्स 2.3 परसेंट बढ़ा। दूसरे सेक्टर्स जैसे ऑयल एंड गैस और कंस्ट्रक्शन से जुड़े स्टॉक्स में भी दिन के दौरान जोरदार खरीदारी हुई। एक्सपर्ट्स ने कहा कि मार्केट में पॉजिटिव मोमेंटम इन्वेस्टर सेंटिमेंट में सुधार को दिखाता है, इस उम्मीद के बीच कि जियोपॉलिटिकल टेंशन कम हो सकते हैं और ग्लोबल फाइनेंशियल मार्केट्स को सपोर्ट मिल सकता है। इस बीच, इंडिया श्क तेजी से ठंडा हुआ, लगभग 16 परसेंट गिरकर 18 मार्क से नीचे आ गया। एक्सपर्ट्स ने कहा कि वोलैटिलिटी में और कमी आने से बुलिश सेंटिमेंट को सपोर्ट मिलेगा।

अचानक सड़क पर गिर गई निमार्णाधीन इमारत की बाउंड्री वॉल

कवरेज करने पहुंचे पत्रकार से धक्का-मुक्की और जान से मारने की धमकी

बिल्डर के गुंडे की देर से गिरफ्तारी पर दहिसर पुलिस पर उठे सवाल

संवाददाता

मुंबई : दहिसर पूर्व स्थित एस.वी. रोड पर मानव कल्याण केंद्र हॉस्पिटल के पास उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक निर्माणाधीन इमारत की पत्रे की बाउंड्री वॉल अचानक सड़क पर गिर गई। यह निर्माण कार्य H ऋषभराज बिल्डर द्वारा कराया जा रहा है। दिनदहाड़े हुई इस घटना ने स्थानीय नागरिकों को दहशत में डाल दिया, क्योंकि दीवार सड़क पर गिरने से किसी भी बड़ी दुर्घटना की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता था।

घटना की जानकारी मिलते ही ''द ग्रेटर मुंबई'' के संपादक व पत्रकार नवीन पांडे मौके पर खबर कवर करने पहुंचे। आरोप है कि जैसे ही उन्होंने निर्माण स्थल और गिरी हुई दीवार की स्थिति की जानकारी लेना शुरू किया, बिल्डर से जुड़े कुछ लोगों ने उनके साथ धक्का-मुक्की की। इतना ही नहीं, उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई। बताया जा रहा है कि इस दौरान पत्रकार का मोबाइल फोन भी छीनकर जमीन पर फेंक दिया गया, जिससे वह क्षतिग्रस्त हो गया। यह पूरी घटना 28 फरवरी को दोपहर करीब 1 बजे की है।

मामला गंभीर होने के बावजूद दहिसर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं, क्योंकि आरोप है कि पुलिस ने लगभग 7 घंटे बाद बिल्डर के गुंडे के खिलाफ मामला दर्ज किया और उसे गिरफ्तार किया। जब पत्रकार के साथ खुलेआम धक्का-मुक्की और धमकी जैसी घटना होती है, तो त्वरित कार्रवाई की उम्मीद की जाती है, लेकिन देरी ने पुलिस की कार्यशैली पर संदेह पैदा कर दिया है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि H ऋषभराज बिल्डर की मनमानी और दबंगई के कारण इलाके में पहले भी कई बार खतरनाक स्थिति बनी है। लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्य में लापरवाही बरती जा रही है, जिससे आम नागरिकों की जान जोखिम में पड़ रही है। इस ताजा घटना के बाद क्षेत्र में भारी आक्रोश देखा जा रहा है और नागरिक मांग कर रहे हैं कि इस निर्माणाधीन इमारत की निष्पक्ष जांच कराई जाए और बिल्डर के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

इस मामले में पत्रकारों ने मुंबई मनपा के आर उत्तर वार्ड के अधिकारियों से भी संपर्क कर निर्माण स्थल पर लापरवाही से काम करने वाले H ऋषभराज बिल्डर और संबंधित कांट्रेक्टर के खिलाफ मामला दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस गंभीर मामले में कितनी पारदर्शिता और सख्ती दिखाता है। अब जल्द ही हम मेट्रो दिनांक पर दिखायेंगे इस बिल्डर के काले कारनामों की विस्तृत जानकारी।

ठाणे : 27 छात्रों का भविष्य सुरक्षित... पढ़ाई का नुकसान होने से बचे 27 विद्यार्थी

ठाणे : ठाणे शहर के कासरवडावली इलाके में मौजूद एक कॉलेज के छात्र ने एक साल तक पढ़ाई की, लेकिन उन्हें पता ही नहीं था कि उन्हें यूनिवर्सिटी से मान्यता नहीं मिली है। जब परीक्षा देने का समय आया, तो संबंधित महाविद्यालय ने विश्वविद्यालय से मान्यता के लिए जरूरी इंतजाम नहीं किए थे। , विधायक केलकर के अनुसार वे स्वयं वाइस-चांसलर से मिले। इसके बाद यूनिवर्सिटी ने तुरंत इस पर ध्यान दिया और विद्यार्थियों को मान्यता देने के लिए एक कमिटी की बैठक की। इस वजह से ये विद्यार्थी परीक्षा दे सके और उनका शैक्षणिक साल बच गया। मुंबई यूनिवर्सिटी ने 27 विद्यार्थियों के प्रवेश में देरी के कारण कासरवडावली में शिक्षा संस्थान के डिग्री कॉलेज पर लाखों रुपये का जुर्माना लगाया था। परीक्षा से एक दिन पहले जब यह मामला सामने आया, तो आम अभिभावक भी परेशान हो गए थे। विश्वविद्यालय के नियमों के मुताबिक, अगर 21 से 40 विद्यार्थियों के प्रवेश केस में कोई गलती पाई जाती है, तो कॉलेज पर हर विद्यार्थी की ट्यूशन फीस का दोगुना और 10 लाख रुपये का जुर्माना लगता है।

महापौर ने गुड़ी पड़वा पर सहभागिता की अपील की

मुंबई: ठाणे महानगर पालिका और श्री कौपिनेश्वर कल्चरल ट्रस्ट, ठाणे अब मिलकर गुरुवार, 19 मार्च, 2026 को भारतीय नए साल यानी गुड़ी पड़वा पर स्वागत यात्रा निकालेंगे। इस साल स्वागत यात्रा का 26वां साल है और यह शहर का त्योहार है। मेयर शर्मिला पिंपोलकर ने आज हुई बैठक में ठाणे के लोगों से इस त्योहार में जोश के साथ हिस्सा लेने की अपील की। आज गुरुवार ठाणे महापौर शर्मिला पिंपोलकर की अध्यक्षता में नए साल की स्वागत यात्रा की तैयारी को लेकर एक मीटिंग हुई। इस बैठक में उपमहापौर कृष्णा पाटिल, विपक्ष के नेता अशरफ यू. पठान, अतिरिक्त आयुक्त संदीप मालवी, मनपा इंजीनियर प्रशांत सोंगरा, उपायुक्त जी.जी. गोडेपुरे, मधुकर बोडके, दीपक जिंजड़, डॉ. मिताली संचेती, ट्रांसपोर्ट मैनेजर भालचंद्र बेहरे, मनपा के अलग-अलग विभागों के हेड, साथ ही कौपीनेश्वर कल्चरल ट्रस्ट के ट्रस्टी डॉ. नरेंद्र पाठक, वर्किंग प्रेसिडेंट संजीव ब्रह्मे, कन्वीनर निखिल सुले, को-कन्वीनर भारत अंखिंदी और दूसरे ऑफिस बेयरर्स शामिल हुए

बताया जाता है कि स्वागत यात्रा में 'समर्थ ठाणे- मजबूत भारत', 'वंदे मातरम के 150 साल', 'भारत 2047', 'सिविल एटिकेट' जैसे पोस्टर मौजूद रहेंगे। मेयर ने यह भी बताया कि नववर्ष स्वागत यात्रा ठाणे शहर का एक फेस्टिवल है और इस फेस्टिवल में अलग-अलग कॉलेज और म्युनिसिपल स्कूलों के स्टूडेंट्स को हिस्सा लेना चाहिए, साथ ही म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के एजुकेशन डिपार्टमेंट, हेल्थ, पॉल्यूशन, सॉलिड वेस्ट, पार्क्स, डिजास्टर मैनेजमेंट, पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट को भी फेस्टिवल में हिस्सा लेना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि शहर के अलग-अलग हिस्सों से जहां से सब-यात्राएं शुरू होंगी, उस एरिया को भी साफ-सुथरा रखा जाए, इसका ध्यान रखा जाए। स्वागत यात्रा 19 मार्च, 2026 को सुबह 7.00 बजे श्रीकोपिनेश्वर मंदिर से शुरू होगी। इसे देखते हुए, सभी सड़कों की सफाई होनी चाहिए, मंदिर के पास सब्जी मार्केट एरिया को साफ रखा जाना चाहिए, झील के पूरे एरिया को साफ रखा जाना चाहिए,

प्रदूषण नियंत्रण के लिए अभियान तेज, स्वच्छ हवा के लिए सख्ती बढ़ी...

मुंबई: देश की आर्थिक राजधानी मुंबई बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर राज्य सरकार सख्त हो गई है। राज्यमंत्री माधुरी मिसाल ने गुरुवार को विधानसभा में बताया कि मुंबई में कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स पर वायु प्रदूषण मापने वाले डिवाइस लगाए जा रहे हैं। धूल नियंत्रण के उपाय किए जा रहे हैं और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। भाजपा की मनीषा चौधरी व अन्य विधायकों ने प्रश्नकाल के दौरान मुंबई में बढ़ते वायु प्रदूषण

का मुद्दा उठाया। उन्होंने सरकार से पूछा कि निर्माणकार्य स्थलों पर क्या कार्रवाई की जाएगी। इसके जवाब में राज्यमंत्री माधुरी ने कहा कि राज्य सरकार मुंबई में बढ़ते एयर पॉल्यूशन की समस्या को नियंत्रित करने के लिए गंभीर है। हाई कोर्ट के निदेशांनुसार निर्माणकार्य परियोजनाओं के लिए तय नियमों को सख्ती से लागू किया जा रहा है। परियोजनाओं पर वायु प्रदूषण मापने वाले डिवाइस और एलईडी फ्लैशर लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। 16 फरवरी, 2025 तक, मुंबई मनपा ने कुल 21,224 कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स में से 19,521 जगहों पर ये डिवाइस लगा दिए हैं। राज्य मंत्री ने कहा कि मुंबई में कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स पर लगे प्रदूषण मापने वाले डिवाइस का ढट 2.5 और ढट 10 डेटा लोगों को देने के लिए डैशबोर्ड तैयार हैं।

पुलिस ने ₹15.3 लाख के इन्वेस्टमेंट फ्रॉड में नियोग्रीन फर्म के डायरेक्टर्स के खिलाफ केस दर्ज किया...

मुंबई : पुलिस ने सचिन फडतारे, निखिल शेलार और उनके साथियों के खिलाफ एक इन्वेस्टर, बेटी और मां से एक फायदेमंद इन्वेस्टमेंट स्कीम के बहाने 15.30 लाख रुपये की ठगी करने का केस दर्ज किया है। अधिकारियों को शक है कि इस कथित धोखाधड़ी में 150 से ज्यादा इन्वेस्टर्स से 10 करोड़ रुपये से ज्यादा की ठगी हुई होगी। परिवार को इन्वेस्टमेंट स्कीम का झांसा दिया गया एफआईआर के मुताबिक, शिकायत करने वाली आरती कौस्तुभ ठाकरे,

39, सायन के प्रतीक्षा नगर की रहने वाली हैं, जो अपने परिवार के साथ रहती हैं और कांदिवली ईस्ट में गोदरेज प्रॉपर्टीज में काम करती हैं।

दिसंबर 2022 में, उनके पति के दोस्त राहुल जोशी, जो उस समय नियोग्रीन वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स मैनेजर के तौर पर काम कर रहे थे, ने परिवार को कंपनी की एक इन्वेस्टमेंट स्कीम के बारे में बताया। स्कीम के मुताबिक, इन्वेस्टर्स को पांच साल के लिए 5 लाख रुपये इन्वेस्ट करने पर 12.50 लाख रुपये देने का वादा किया गया था। इसके बाद, आरती और उनके पति कौस्तुभ दादर (वेस्ट) में एन. सी. केलकर रोड पर कोहिनूर स्क्वायर में कंपनी के ऑफिस गए, जहाँ उनकी मुलाकात सचिन फड़तारे और निखिल शेलार से हुई।

मुंबई : सुरक्षा धर्म से ऊपर है - बॉम्बे हाईकोर्ट अस्थायी शेड में नमाज से इनकार

मुंबई : बॉम्बे हाईकोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने रमजान के दौरान छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास एक अस्थायी शेड में नमाज पढ़ने की इजाजत मांग रहे टैक्सी और ऑटो-रिक्शा चालकों को राहत देने से इनकार कर दिया। इस दौरान हाईकोर्ट ने कहा कि सुरक्षा धर्म से ऊपर है।

जस्टिस बी पी कोलाबावाला और जस्टिस फिरदौस पूनीवाला की बेंच ने कहा कि रमजान इस्लाम का जरूरी हिस्सा है, लेकिन इसे मानने वाले किसी भी जगह खासकर हवाई अड्डे के आस-पास, जहां सुरक्षा को लेकर उच्च स्तर की चिंता है, नमाज पढ़ने का धार्मिक अधिकार होने का दावा नहीं कर सकते।

दरअसल बॉम्बे हाईकोर्ट टैक्सी-रिक्शा ओला-उबर मेन्स यूनियन की एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें दावा किया गया था कि छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के आस-पास एक अस्थायी शेड था। जिसे पिछले साल नगर निगम के अधिकारियों ने गिरा दिया था। उसी जगह पर वे लोग नमाज पढ़ते थे। बॉम्बे हाईकोर्ट में दाखिल याचिका में अनुरोध किया गया था कि उन्हें उसी जगह का इस्तेमाल करने दिया जाए या उसी इलाके में कोई दूसरी जगह दी जाए। जहां पर वे सभी लोग नमाज पढ़ सकें। इस मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने पिछले सप्ताह मुंबई पुलिस और हवाई अड्डा प्राधिकरण को यह देखने का निर्देश दिया था कि क्या कोई और जगह दी जा सकती है।

दोनों की संयुक्त रिपोर्ट का आंकलन करने के बाद बॉम्बे हाईकोर्ट ने याचिका पर राहत देने से इनकार कर दिया।

धारावी में 436 झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों को फडणवीस सरकार का बड़ा तोहफा... देवनार में जमीन देने का फैसला

मुंबई : मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अगुवाई वाली महायुति सरकार ने मुंबई के धारावी में रहने वालों को राहत देने के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। फडणवीस सरकार धारावी में लगी आग में झुग्गी-झोपड़ी में रहने वालों के लिए 27 साल बाद बड़ी राहत लेकर आई है। इन सभी धारावी में रहने वालों को अब उनके हक का घर दिया जाएगा। आग में अपने घर गंवाने वाले 436 झुग्गी-झोपड़ी में रहने वालों को देवनार में जमीन देने का एक अहम फैसला लिया गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में इस बारे में एक अहम फैसला लिया गया है।

रेवेन्यू मिनिस्टर चंद्रशेखर बावनकुले ने धारावी में 436 झुग्गी-झोपड़ी में रहने वालों को 11,659 स्क्वायर मीटर सरकारी जमीन देने का प्रस्ताव पेश किया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इसलिए आग में अपने घर गंवाने वाले 436 झुग्गी-झोपड़ी में रहने वालों को उनके हक का घर मिल जाएगा। इस बैठक में धारावी की झुग्गी-झोपड़ियों में राजीव गांधी रफ्ध कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी के बारे में फैसला लिया गया।

इस बीच रूरल डेवलपमेंट मिनिस्टर जयकुमार गोर ने घरकुल को लेकर जरूरी जानकारी दी। यह देश के हर परिवार को घर देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक बड़ी पहल है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत केंद्र सरकार ने यह पक्का करने के मकसद से एक बड़ा प्रोग्राम लागू किया है कि देश में कोई भी परिवार बिना घर के न रहे। यह योजना महाराष्ट्र में भी अच्छे से लागू की जा रही है और पिछले साल राज्य में करीब चार लाख घरकुल बनाए गए। यह जानकारी रूरल डेवलपमेंट मिनिस्टर जयकुमार गोर ने विधान परिषद में सवाल-जवाब के दौरान दी। मिनिस्टर जयकुमार गोर ने कहा कि पिछले साल राज्य में 28 लाख 24 हजार 386 घरों को मंजूरी दी गई थी। यह देश के इतिहास में घरकुल की सबसे बड़ी मंजूरी है। पिछले एक साल में राज्य में 3 लाख 95 हजार 222 घरों का कंस्ट्रक्शन पूरा हुआ है। जो एक रिकॉर्ड है। अभी 23 लाख 92 हजार 242 घरों का काम चल रहा है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने फंड बांटने के लिए 'सिंगल नोडल एजेंसी' और 'रियल टाइम इंटीग्रेटेड फंड ट्रांसफर' का नया सिस्टम शुरू किया था। इससे किस्तों के बंटवारे में कुछ समय की देरी हुई थी। हालांकि, अब जब यह सिस्टम चालू हो गया है, तो फंड बांटने का काम आसानी से हो रहा है।

योजना के लिए कितनी मदद ?

राज्य सरकार ने घरकुल बनाने के लिए मिलने वाली सब्सिडी में और मदद देने का फैसला किया है। केंद्र और राज्य सरकारों से मिलने वाली सब्सिडी के अलावा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के फैसले के मुताबिक, घरकुल के लिए 50 हजार रुपये और दिए जा रहे हैं।

इसमें से 35 हजार रुपये बनाने के लिए और 15 हजार रुपये घर पर सोलर पावर प्रोजेक्ट लगाने के लिए दिए जाते हैं। इसके अलावा मनरेगा के तहत 90 दिन की मजदूरी, स्वच्छ भारत मिशन के तहत टॉयलेट के लिए 12 हजार रुपये, एक घर के लिए करीब 2 लाख 10 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी जाती है।

39 हजार 992 घर मंजूर

सरकार ने घरकुल बनाने के लिए जरूरी रेत फ्री में देने का भी फैसला किया है और योग्य लाभार्थियों को बिना रॉयल्टी के 5 ब्रास तक रेत दी जाती है। साथ ही पंडित दीनदयाल उपाध्याय घरकुल जमीन खरीदने की स्कीम के तहत जमीन न खरीदने वाले लाभार्थियों के लिए जमीन खरीदने पर मिलने वाली सब्सिडी 50 हजार रुपये से बढ़ाकर 1 लाख रुपये कर दी गई है।

टपोरी फटके

बोगस फेरीवाले पे रोज एक्शन देखके अब लग रैला है के बीएमसी काम कर रैला है

जितेन्द्र कनौजिया

जो काम पैले होना चाहिये था, वो अब्बी हो रैला है। लेट हो गयेला है करके बोगस फेरीवाले की चर्बी बढ़ गएली है। करके देखा नहीं क्या? कैसा इन लोग ने कांदिवली में ढिंगाना किया। चर्बी बढेली है करके ये सब नाटकी किया ना। नहीं तो इनकी लायकी है क्या? अवैध फेरीवाले पे एक्शन लेने के लिये बीएमसी का ऑफिसर लोग आया और इन लोग ने सीधा मारनाईच चालू कर डाला। सब ऑफिसर लोग को भगा डाला। अब्बी पाँच जन को पोलिस वाले ने जमा कियेला है।

मिर्ची किसको लग रैली है, मालूम है क्या ?उन लोग को लग रैली है, जिन लोग ने फुटपाथ के जागे को अपना बाप का प्रॉपर्टी समज के रखेला है। फुटपाथ पे कब्जा करने का और भाड़े पे दे डालने का और दिन भर हाफ चड्डी पैनके घूमते रहने का , शाम को एक क्वार्टर लेने का और टाइट होके लम्बा हो जाने का। अक्खा मुंबई में ऐसा कार्यक्रम चल रैला था और जागे पे जादातर कोन भाड़े पे धंदा चला रैला था , मालूम है क्या? सब बांग्लादेशी मुसलमान लोग धंदा कर रैला था। स्थानिक पुत्र छपरीगीरी में बिजी है। ये सब बांग्लादेशी अवैध फेरीवाले से अक्खा मुंबई का पब्लिक कंटाल गयेला था। ये तो अच्छा हुआ के मुंबई का नया महापौर रीतू तावड़े काम करने के मामले में एकदम कड़क है। ऐसा फेरीवाले को हटाने के बारे में सीधा ऑर्डर ईच दे डाला और ऐसा भी नहीं के खाली एक - दो दिन एक्शन होयेगा। रोज एक्शन करने को बोलेला है। अब्बी अवैध फेरीवाले के नाम पे जो रैकेट चल रैला था ना, उन लोग की फटी पड़ी है, इसमें कुछ पार्टी के चिन्दीचोर नेता लोग भी है। अब्बी उन लोग मोर्चा निकाल रैला है। आगे नाम किसका ढकेल रैला है , लायसेन्स वाले फेरीवाले का। बोल रैला है के लायसेंसी फेरीवाले पे बीएमसी एक्शन ले रैला है। खाली माहौल बनाने के चक्कर में लगेला है।

मुंसिपालिटी का कुछ चोर ऑफिसर और ये फेरीवाला माफिया के वजे से अक्खा मुंबई का फुटपाथ का वाट लग गयेला है। करोड़ो रुपये का हफ्ते का झोल चल रैला है। अच्छे से अच्छे लोग ये झोल में घुसेला है। पन नई महापौर का मूड देखके लगता नहीं के इन लोग अब बचने वाला है। अक्खा मुंबई के रोड पे धंदा करनेवाले बांग्लादेशी को भगाने का इस मोहिम में अक्खा मुंबई का पब्लिक महापौर रीतू तावड़े के साथ में है।